"रामचरितमानस के चार संभाषण"

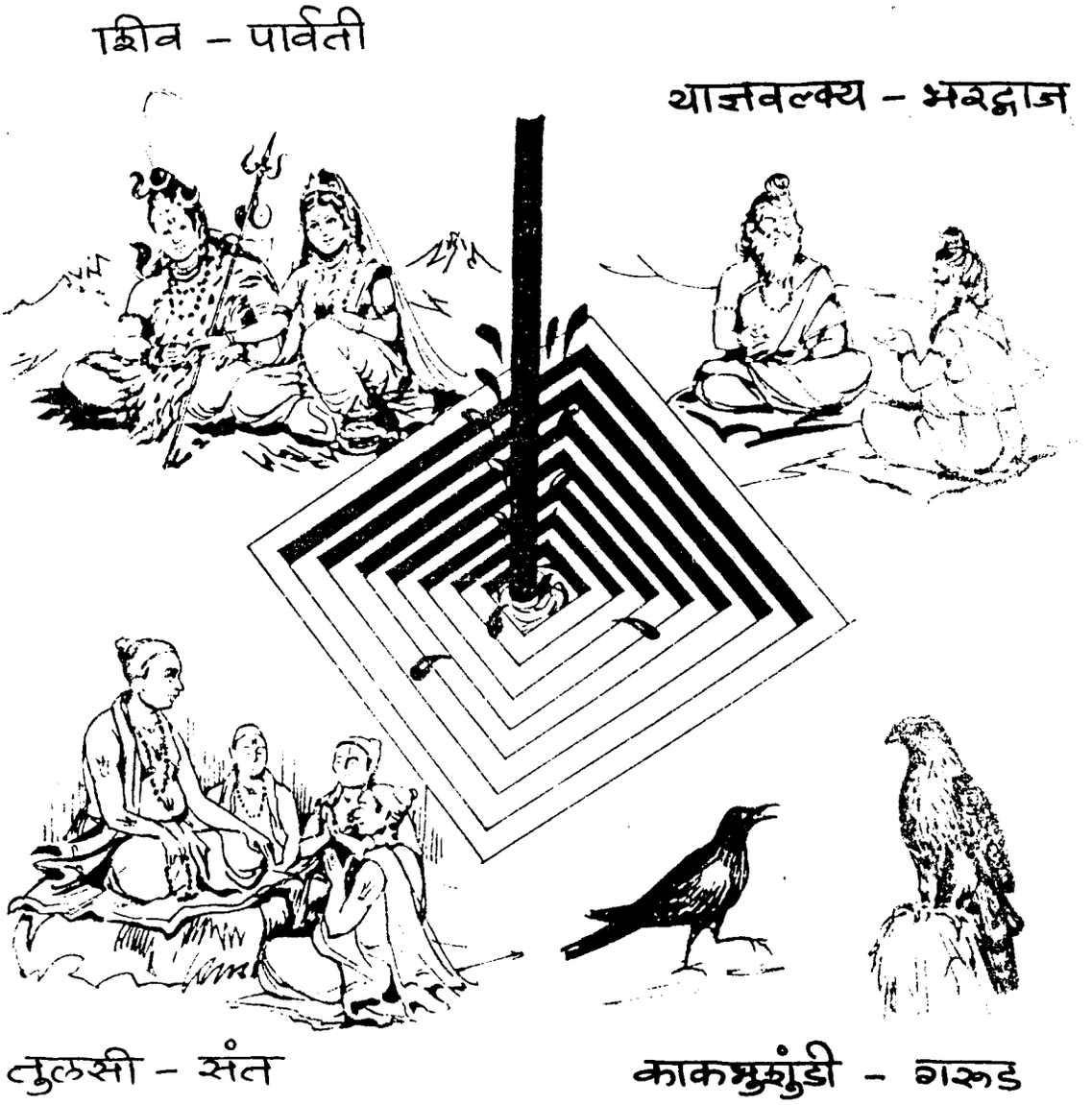

" सुठि सुंदर संबाद बर बिरचे बुद्धि बिचारि ।
तेहि एहि पावन सुभग सर घाट मनोहर चारि ॥

-तुलसीदास

प्रमाण पत्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि प्रा.कु. मंदाकिनी दत्ताजीराव पाटील ने शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्.फिल्. (हिन्दी) उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबन्ध - ' रामचरित-मानस के चार संभाषण ' मेरे निर्देशन में सफलता पूर्वक पूरे परिश्रम के साथ पूरा किया है। कु. मंदाकिनी दत्ताजीराव पाटील के प्रस्तुत शोध कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ। सम्पूर्ण लघु-शोध-प्रबन्ध को आरम्भ से अंत तक पढकर ही मैं यह प्रमाणपत्र दे रहा हूँ।

(प्रा. शरद कणाबरकर)
शोध निर्देशक
हिन्दी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर

दिनांक : 8|10|1990

प्रस्ताप न

मैने ` रामचरितमानस के चार संभाषण ` यह लघु-शोध-प्रबन्ध प्रा. शरद कणबरकरजी के निर्देश में शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्.फिल्. (हिन्दी) उपाधि के लिए पूरा किया है। मेरा यह शोध-कार्य मौलिक है। यह लघु-शोध-प्रबन्ध अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए मैने प्रस्तुत नहीं किया है।

Patil

(प्रा.कु.मंदाकिनी दत्ताजीराव पाटील)
शोधछात्रा
आर्टस्, कॉमर्स अँन्ड सायन्स कॉलेज,
कासेगाँव, ता. वाळवा, जि.सांगली

दिनाक : 8110190

कोल्हापुर